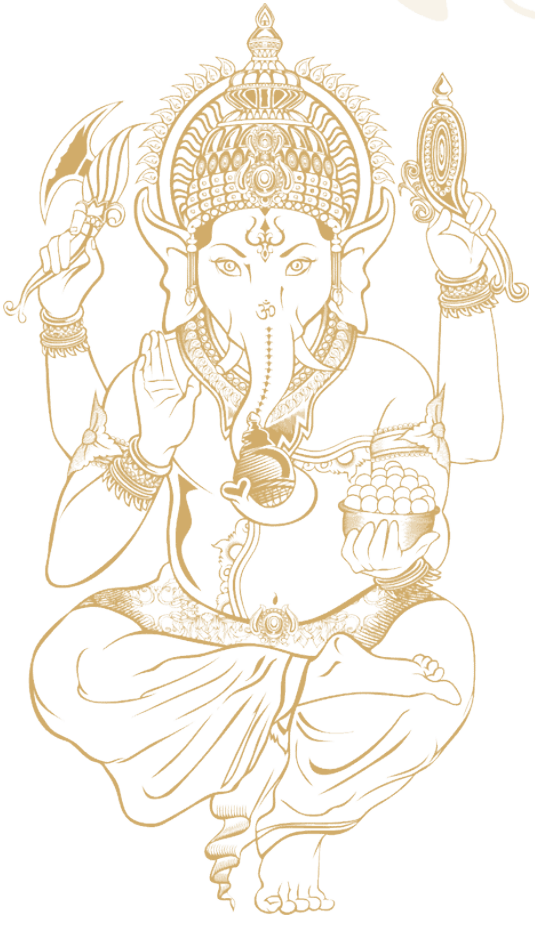

Mr.sivam

Ms.Esika

Model: Web-FreeMatching

Order No: 119578803

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
1-02/07/1999	जन्म तिथि	01/07/2001
गुरु-शुक्रवार	दिन	रविवार
घंटे 01:03:00	जन्म समय	19:35:00 घंटे
घटी 49:00:48	जन्म समय(घटी)	35:20:20 घटी
India	देश	India
Delhi	स्थान	Delhi
28:39:00 उत्तर	अक्षांश	28:39:00 उत्तर
77:13:00 पूर्व	रेखांश	77:13:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08	स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:26:40	सूर्योदय	05:26:52
19:22:54	सूर्यास्त	19:22:54
23:50:48	चित्रपक्षीय अयनांश	23:52:24

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
चन्द्र 3वर्ष 5मा 18दि		03:55:37	मेष	लग्न	धनु	19:52:14	गुरु 5वर्ष 1मा 20दि	
राहु		15:40:39	मिथु	सूर्य	मिथु	15:55:22	बुध	
19/12/2009		18:42:39	मक	चंद्र	तुला	29:03:02	21/08/2025	
19/12/2027		05:05:22	तुला	मंगल व	वृश्चि	23:31:38	21/08/2042	
राहु	31/08/2012	10:59:55	कर्क	बुध	वृष	27:50:24	बुध	18/01/2028
गुरु	24/01/2015	06:41:07	मेष	गुरु	मिथु	03:33:29	केतु	14/01/2029
शनि	30/11/2017	29:09:17	कर्क	शुक्र	वृष	01:41:50	शुक्र	15/11/2031
बुध	19/06/2020	20:26:52	मेष	शनि	वृष	15:08:30	सूर्य	20/09/2032
केतु	07/07/2021	19:20:51	कर्क व	राहु	मिथु	12:29:56	चन्द्र	20/02/2034
शुक्र	07/07/2024	19:20:51	मक व	केतु	धनु	12:29:56	मंगल	17/02/2035
सूर्य	01/06/2025	22:18:38	मक व	हर्ष व	कुंभ	00:32:39	राहु	05/09/2037
चन्द्र	01/12/2026	09:46:13	मक व	नेप व	मक	14:15:07	गुरु	12/12/2039
मंगल	19/12/2027	14:28:23	वृश्चि व	प्लूटो व	वृश्चि	19:21:04	शनि	21/08/2042

लग्न-चलित

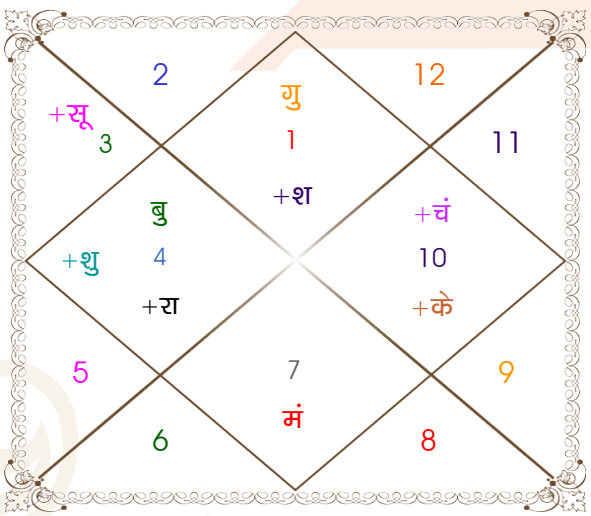

लग्न-चलित

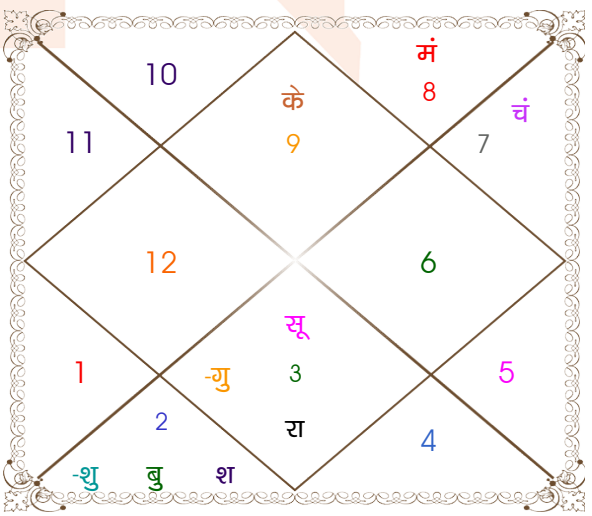

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	वध	क्षेम	3	1.50	--	भाग्य
योनि	वानर	व्याघ्र	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	शनि	शुक्र	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	राक्षस	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	मकर	तुला	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	अन्त्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	17.50		

नाड़ी दोष कष्टदायक नहीं है क्योंकि डतण्पअंउ का नक्षत्र श्रवण है।

डतण्पअंउ का वर्ग मार्जार है तथा डेण्म्पां का वर्ग सर्प है। इन दोनों वर्गों में परस्पर मित्रता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार डतण्पअंउ और डेण्म्पां का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

डतण्पअंउ मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

सप्तमो यदा भौमः गुरूणां च निरीक्षिता।
तदास्तु सर्वसौख्यं च मंगली दोषनाशकृत्।।

सप्तम मंगल को गुरु देखता हो मंगली दोष कट जाता है।

क्योंकि डतण्पअंउ कि कुण्डली में सप्तम मंगल को गुरु देखता है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

डेण्म्पां मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना।
द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना।।

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल डेण्म्पां कि कुण्डली में द्वादश भाव में वृश्चिक राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल डेण्म्पां कि कुण्डली में स्वराशि में है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

शनिभौमोऽथवा कश्चित् पापो वा तादृशो भवेत्।
तेष्वेव भवनेष्वेव भौमदोषविनाशकृत्।।

यदि एक की कुंडली में जहां मंगल हो उन्हीं स्थानों पर दूसरे की कुंडली में प्रबल पाप ग्रह (राहु या शनि) हों तो मंगलीक दोष कट जाता है।

क्योंकि राहु डेण्म्पां कि कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि डेण्म्पां कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

डतण्पअंउ तथा डेण्म्पां में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।